षोडश

बिहार विधान-सभा

द्वितीय सत्र

तारांकित प्रश्न

वर्ग-2

मंगलवार, तिथि 11 फाल्गुन, 1937 (श0) / 01 मार्च, 2016 (ई0)

प्रश्नों की कुल संख्या 101

(1)	प्राथमिक शिक्षा विभाग	20
(2)	माध्यमिक शिक्षा विभाग	31
(3)	अनुसूचित जाति एवं जन-जाति कल्याण विभाग	03
(4)	खान एवं भूतत्व विभाग	01
(5)	उच्च शिक्षा विभाग	17
(6)	कला, संस्कृति एवं युवा कल्याण विभाग	10
(7)	समाज कल्याण विभाग	06
(8)	परिवहन विभाग	07
(9)	पर्यावरण एवं वन विभाग	01
(10)	विज्ञान एवं प्रावैधिकी विभाग	04
(11)	पिछड़ा एवं अति पिछड़ा कल्याण विभाग	01
	कुल योग —	101

आवंटित करना

*150. श्री रामविशुन सिंह--क्या मंत्री, शिक्षा (उच्च) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि भोजपुर जिलान्तर्गत वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा मौहनियाँ एनएच0 30 जोरे माईल पर अवस्थित है ;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त विश्वविद्यालय के उपलब्ध जमीन पर पिछड़े वर्ग के छात्रों हेतु छात्रावास बना हुआ है परन्तु आजतक किसी भी पिछड़े वर्ग के छात्रों को छात्रावास का आवंटन नहीं किया गया है जिसके कारण छात्रों को पठन-पाठन में काफी कठिनाई होती है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक है, तो सरकार पिछड़े वर्गों के छात्रों को छात्रावास आवंटित कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

भवन का निर्माण

*151. श्री मेवा लाल चौधरी--क्या मंत्री, शिक्षा (मा0 शि0) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि मुंगेर जिला के तारापुर प्रखंड अन्तर्गत रामपुर दाऊद उर्दू मदरसा है, जिसकी मान्यता सरकार से 1987 में मिली है ;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त मदरसा का अपना भवन नहीं है तथा मदरसा निजी भवन में चल रहा है, जिससे छात्रों को पठन-पाठन में असुविधा होती है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त मदरसा हेतु भवन का निर्माण कराने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

खाता खुलवाना

*152. श्री श्याम रजक--स्थानीय दैनिक समाचार-पत्र में दिनांक 1 जनवरी, 2016 में प्रकाशित शीर्षक "अप्रैल से सीधे लाभुक के खाते में डाली जायेगी पेंशन की राशि" के आलोक में क्या मंत्री, समाज कल्याण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन सहित अन्य सामाजिक सुरक्षा पेंशन के लाभुकों को एक अप्रैल, 2016 से बैंक खाते में राशि दी जायेगी ;

(2) क्या यह बात सही है कि अभीतक 50 लाख लाभुकों में मात्र 10 लाख लाभुक ही बैंक के खाता धारक बन पाये है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो शेष लाभुकों को अल्प अवधि में खाता खुलवाने हेतु सरकार की कौन-सी कार्य योजना है ?

कार्रवाई करना

*153. श्री सुरकिशोर प्रसाद--दैनिक समाचार-पत्र में दिनांक 18 जनवरी, 2016 को प्रकाशित शीर्षक "732 विद्यालय में एमडीएम0 बन्द" के आलोक में क्या मंत्री, शिक्षा (मा0 शि0) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि कटिहार जिला के 732 प्राथमिक एवं मध्य विद्यालयों में मध्याह्न भोजन योजना बन्द है ;

(2) क्या यह बात सही है कि राज्य सरकार एमडीएम0 के बेहतर संचालन के लिये स्वतंत्र मॉनिटरिंग सिस्टम विकसित की है, बावजूद भी शेष सभी विद्यालयों में मीनू के अनुसार छात्र-छात्राओं को भोजन नहीं दिया जा रहा है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त विद्यालयों में मध्याह्न भोजन योजना अविलम्ब प्रारंभ करते हुये शेष सभी विद्यालयों में मेनू के अनुसार पौष्टिक तत्वों से युक्त भोजन देने की कार्रवाई करने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

वृद्धि करना

*154. श्री आबिदुर रहमान--क्या मंत्री, शिक्षा (मा०शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि अररिया जिला में स्थित उच्च माध्यमिक एवं प्राथमिक विद्यालयों में छात्रों के अनुपात में शिक्षकों की संख्या कम है ;

(2) यदि उपर्युक्त खंड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार इसकी जाँच कराकर शिक्षकों की संख्या में वृद्धि करने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

राशि में बढ़ोतरी

*155. श्री महेश्वर प्रसाद यादव--क्या मंत्री, समाज कल्याण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि राज्य में विधवा, दिव्यांग एवं वृद्धावस्था पेंशन की राशि प्रतिमाह 400 (चार सौ) रुपया निर्धारित है, उक्त राशि से लाभान्वित व्यक्ति का जीवन-यापन नहीं हो रहा है, यदि हाँ, तो सरकार उक्त पेंशन राशि में बढ़ोतरी का विचार रखती है, यदि हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

स्टेडियम का निर्माण

*156. श्री लालबाबू प्रसाद गुप्ता--क्या मंत्री, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि पूर्वी चम्पारण जिलान्तर्गत प्रखंड पताही एवं चिरैया में एक भी स्टेडियम नहीं रहने से खिलाड़ियों, खेल प्रेमी तथा कला, संस्कृति में रुचि रखने वाले व्यक्तियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, यदि हाँ, तो सरकार उक्त दोनों प्रखंडों में कबतक स्टेडियम का निर्माण कराना चाहती है, नहीं, तो क्यों ?

शिक्षकों का पदस्थापन

*157. श्री समीर कुमार महासेठ--क्या मंत्री, शिक्षा (मा० शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि मधुबनी जिलान्तर्गत हरलाखी प्रखंड क्षेत्र के गंगौर स्थित प्लस टू नवस्थापित उच्च विद्यालय में वर्ग दस तक नामांकित कुल एक हजार से अधिक छात्रों की पढ़ाई मात्र दो कमरों में होती है ;

(2) क्या यह बात सही है उक्त विद्यालय में प्रधानाध्यापक सहित मात्र तीन शिक्षक के सहारे एक हजार बच्चों की पढ़ाई हो रही है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार उक्त विद्यालय में पर्याप्त कमरों का निर्माण एवं पर्याप्त शिक्षकों का पदस्थापन करने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

वितरण करना

*158. श्री (मो0) नवाज आलम—क्या मंत्री, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि भोजपुर जिलान्तर्गत आरा नगर के अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के छात्र-छात्राओं को वित्तीय वर्ष 2015-16 में छात्रवृत्ति का वितरण नहीं किया गया है, यदि हाँ, तो सरकार कबतक छात्रवृत्ति वितरण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

योजना चलाना

*159. श्रीमती सावित्री देवी—क्या मंत्री, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि जमुई जिलान्तर्गत चकाई विधान-सभा क्षेत्र आदिवासी बहुल है, परन्तु यह क्षेत्र माडा अन्तर्गत चयनित नहीं है, यदि हाँ, तो क्या सरकार चकाई विधान-सभा क्षेत्र को माडा योजनान्तर्गत चयनित कर आदिवासियों के कल्याणार्थ योजनाएँ चलाने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

हेडमास्टर का पदस्थापन

*160. श्री संजय सरावगी—स्थानीय हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र के दिनांक 6 जनवरी, 2016 के अंक में प्रकाशित शीर्षक ''पुटबाली में अटका एच0 एम0 का 400 पद'' को ध्यान में रखते हुये क्या मंत्री, शिक्षा (प्रा0 शि0) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि 5 फरवरी, 2014 को दरभंगा के मध्य विद्यालयों में हेडमास्टर के पद पर पदस्थापन हेतु 400 शिक्षकों को प्रोन्नति दी गई थी ;

(2) क्या यह बात सही है कि खण्ड (1) में वर्णित शिक्षकों का हेडमास्टर के रूप में पदस्थापन अबतक नहीं किया गया है ;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार खण्ड (1) में वर्णित शिक्षकों को दरभंगा के विभिन्न मध्य विद्यालयों में हेडमास्टर के रूप में पदस्थापित करने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

संस्थान खोलना

*161. श्रीमती सावित्री देवी—क्या मंत्री, शिक्षा (उ0 शि0) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि जमुई जिलान्तर्गत चकाई विधान-सभा क्षेत्र के अन्तर्गत उच्च शिक्षण संस्थान, अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थान एवं बी0 एड0 कॉलेज नहीं है जिससे विद्यार्थियों को पढ़ाई हेतु बाहर जाने के लिये विवश होना पड़ता है, यदि हाँ, तो सरकार कबतक उच्च शिक्षा से संबंधित संस्थान चकाई में खोलने का विचार रखती है ?

निर्माण करना

*162. श्रीमती सुनीता सिंह चौहान--क्या मंत्री, शिक्षा (उ0 शि0) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि सीतामढ़ी जिलान्तर्गत बेलसंड प्रखंड के पचनौर मध्य विद्यालय में भवन का अभाव है एवं जिस भवन में छात्रों का पठन-पाठन किया जा रहा है वह विगत 10 वर्षों से जर्जर है, यदि हाँ, तो सरकार उक्त मध्य विद्यालय के जर्जर भवनों का जीर्णोद्धार करने के साथ ही अतिरिक्त भवनों का निर्माण कबतक कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

कॉलेज खोलना

*163. डॉ0 सुनील कुमार--क्या मंत्री, शिक्षा (उ0 शि0) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि नालन्दा जिलान्तर्गत राहुई प्रखण्ड में सरकारी या गैर-सरकारी डिग्री कॉलेज नहीं है जिससे छात्र-छात्राओं को पठन-पाठन के लिये बाहर जाना पड़ता है, यदि हाँ, तो सरकार कबतक उक्त स्थान पर डिग्री कॉलेज खोलने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

महाविद्यालय खोलना

*164. श्री अशोक कुमार--क्या मंत्री, शिक्षा (उ0 शि0) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि रोहतास जिला अन्तर्गत तिलौथू प्रखंड में एक भी महिला कॉलेज नहीं है ;

(2) यदि उपर्युक्त खण्ड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो सरकार तिलौथू प्रखंड में महिला महाविद्यालय खोलने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

कार्रवाई करना

*165. श्री राजीव नंदन--क्या मंत्री, परिवहन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि बिहार मोटर वाहन करारोपण अधिनियम, 1995 के अन्तर्गत मात्र वाहक वाहनों पर नियोजित लदान क्षमता पर ही कर वसूली करने का प्रावधान है ;

(2) क्या यह बात सही है कि जिला पदाधिकारी-सह-करारोपण पदाधिकारी, गया के द्वारा सकल यान भार (जीएलएडब्ल्यू) पर नियम के विरुद्ध कर वसूली की जा रही है, परन्तु टैक्स टोकन पर आरएलएडब्ल्यू (रजिस्टर लोडेड वेट) लिखकर दिया जा रहा है ;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो नियम के विरुद्ध वाहन कर वसूली कर रहे पदाधिकारियों पर सरकार क्या कार्रवाई करना चाहती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

निर्माण करना

*166. श्री सैयद अबु दोजाना--क्या मंत्री, शिक्षा (प्रा०शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि सीतामढ़ी जिला के सुरसंड प्रखंड अन्तर्गत ग्राम भगवतीपुर में प्राथमिक विद्यालय नहीं रहने के कारण छात्र-छात्राओं को 10 किलो मीटर की दूरी पर पठन-पाठन हेतु जाना पड़ता है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त स्थान पर कबतक प्राथमिक विद्यालय का निर्माण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

जमीन पर बनवाना

*167. श्री राम विशुन सिंह--क्या मंत्री, शिक्षा (उ०शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि वर्ष 1992 में वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, भोजपुर, जय प्रकाश नारायण विश्वविद्यालय, छपरा एवं बी०एन० मंडल विश्वविद्यालय, मधेपुरा का स्थापना हुआ था ;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त तीनों विश्वविद्यालय में दो विश्वविद्यालय को प्रशासनिक भवन हो गया है, किन्तु वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय को छोड़ दिया गया है, जिसके कारण आज भी यह विश्वविद्यालय कृषि फार्म में चल रहा है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय का प्रशासनिक भवन, आरा-मोहनिया एन०एच० 30-ए सड़क के उपलब्ध जमीन पर बनवाने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

उत्क्रमित करना

*168. डॉ० अशोक कुमार--क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि समस्तीपुर जिला अन्तर्गत प्रखण्ड शिवाजी नगर में मध्य विद्यालय, चुनियारपुर एवं मध्य विद्यालय, बाघोपुर अवस्थित है ;

(2) क्या यह बात सही है कि है कि सरकार द्वारा प्रत्येक पंचायत में मध्य विद्यालय को उत्क्रमित कर माध्यमिक विद्यालय में परिणत करने की योजना है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार उपर्युक्त दोनों मध्य विद्यालयों को माध्यमिक विद्यालय में कबतक उत्क्रमित करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पदस्थापन करना

*169. श्रीमती कुन्ती देवी--क्या मंत्री, शिक्षा (मा०शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि गया जिला अन्तर्गत उ०वि०, नीमचक, उ०वि०, टेटुआ, उ०वि०, पैया बिगहा, बथानी उ०वि०, खिजरसराय आदि उच्च विद्यालयों में विषयवार शिक्षकों का पद रिक्त है जिससे शिक्षण कार्य बाधित हो रहा है ;

(2) यदि उपर्युक्त खंड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार नीमचक बथानी, अतरी, मोहड़ा एवं खिजरसराय प्रखंडों में संचालित उच्च विद्यालयों में विषयवार शिक्षकों के पदस्थापन का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

प्रशिक्षित नहीं किये जाने का औचित्य

*170. श्री अनंत सत्यार्थी-- स्थानीय हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र के दिनांक 26 दिसम्बर, 2015 के अंक में प्रकाशित शीर्षक "शिक्षा की गुणवत्ता बेहतर करने की मुहिम जरूरी" को ध्यान में रखते हुये क्या मंत्री, शिक्षा (प्रा०शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि राज्य के सरकारी विद्यालयों में 73 हजार शिक्षक अप्रशिक्षित हैं जिससे शिक्षा की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है, यदि हाँ, तो इन शिक्षकों को अबतक प्रशिक्षित नहीं किए जाने का क्या औचित्य है ?

कॉलेज खोलना

*171. डॉ० सुनील कुमार--क्या मंत्री, विज्ञान एवं प्रावैधिकी विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि नालन्दा जिलान्तर्गत रहुई प्रखण्ड में पॉलिटेकनिक कॉलेज नहीं रहने से तकनीकी शिक्षा हेतु छात्रों को अन्यत्र जाना पड़ता है, यदि हाँ, तो सरकार रहुई प्रखंड में कबतक पॉलिटेकनिक कॉलेज खोलने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

घेराबंदी कराना

*172. श्री (मो०) आफाक आलम--क्या मंत्री, शिक्षा (प्रा०शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि पूर्णियाँ जिलान्तर्गत कसबा प्रखण्ड के मध्य विद्यालय, गढ़बनैली का चहारदीवारी नहीं है ;

(2) क्या यह बात सही है कि है कि उक्त विद्यालय का जमीन का अतिक्रमण स्थानीय आम जनता द्वारा होने से उस विद्यालय के छात्र/छात्राओं को पठन-पाठन कार्य में कठिनाई होती है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त मध्य विद्यालय का चहारदीवारी से घेराबंदी कराने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

चहारदीवारी का निर्माण

*173. डॉ० रंजू गीता--क्या मंत्री, शिक्षा (मा०शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि सीतामढ़ी जिलान्तर्गत आदर्श उच्च विद्यालय, बाजपट्टी नहरा (प्रखंड-बाजपट्टी) का भवन जीर्ण-शीर्ण स्थिति में है ;

(2) यदि उपर्युक्त खंड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो सरकार कबतक वर्णित विद्यालय के भवन निर्माण के साथ चहारदीवारी का निर्माण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

भवन बनाना

*174. श्री सत्यदेव सिंह--क्या मंत्री, शिक्षा (मा०शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि अरवल जिलान्तर्गत बंशी प्रखंड में +2 स्तरीय उच्च विद्यालय बंशी, कल्याणपुर का भवन अत्यन्त ही जर्जर है और मात्र दो ही कमरा सही सलामत है तथा पर्याप्त कमरों के अभाव में छात्र-छात्राओं की पढ़ाई बाधित हो रही है ;

(2) यदि उपर्युक्त खंड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार उक्त विद्यालय का नया भवन बनाने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

कार्य पूरा कराना

*175. श्री गिरिधारी यादव--क्या मंत्री, शिक्षा (मा०शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि बाँका जिलान्तर्गत बेलहर प्रखंड के नगेल उच्च विद्यालय का भवन विगत पाँच वर्षों से अधूरा पड़ा हुआ है, यदि हाँ, तो सरकार उक्त विद्यालय भवन का निर्माण कार्य कबतक पूरा कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

बस चलाना

*176. श्री अरुण कुमार--क्या मंत्री, परिवहन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि कोसी प्रमंडल के सहरसा मुख्यालय में परिवहन निगम की बस डीपो से राज्य के विभिन्न जिलों में बसें चलती थी, परन्तु वर्तमान में बसों का परिचालन बाधित है;

(2) यदि उपर्युक्त खंड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो सरकार सहरसा बस डीपो से पटना, राँची, भागलपुर, जयनगर आदि शहरों में बस चलाने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

लाभ देना

*177. श्री सुदामा प्रसाद--क्या मंत्री, शिक्षा (मा०शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि राज्य में स्थित राजकीयकृत उच्च विद्यालयों में पदस्थापित लिपिकों को उसी विद्यालय में प्रतिनियुक्त शिक्षकों के समान ग्रीष्मावकाश एवं वर्ष में 33 दिन का उपार्जित अवकाश नहीं दिया जाता है, यदि हाँ, तो राजकीयकृत उच्च विद्यालयों में पदस्थापित लिपिकों को उचित लाभ देने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

कार्रवाई करना

*178. श्री नारायण प्रसाद--क्या मंत्री, शिक्षा (प्रा०शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि पश्चिम चम्पारण जिला मुख्यालय स्थित निजी विद्यालयों द्वारा बिजली कम्प्यूटर एवं मासिक शुल्क व पुस्तक के नाम पर एक निश्चित राशि ली जा रही है ;

(2) क्या यह बात सही है कि जिलाधिकारी के निर्देश पर अनुमंडल पदाधिकारी, बेतिया/जिला शिक्षा पदाधिकारी, बेतिया ने निजी विद्यालयों के प्रबंधकों के साथ दिनांक 20 मार्च, 2015 को बैठक कर व्यवस्था को दुरूस्त करने का निर्देश दिया, इसके बावजूद सुधार नहीं हो सका है ;

(3) यदि उपर्युक्त प्रश्नों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार मनमानी करने वाले निजी विद्यालयों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

देय सुविधा उपलब्ध कराना

*179. श्रीमती गुलजार देवी--क्या मंत्री, शिक्षा (प्रा०शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि मधुबनी जिलान्तर्गत भौवरडीहा प्रखंड स्थित प्राथमिक विद्यालय, गुलरिया टोला, प्राथमिक विद्यालय, बगराहा, फुलपरास प्रखंड अन्तर्गत प्राथमिक विद्यालय, मुशहरनियाँ दक्षिण एवं उत्तर में सर्व-शिक्षा अभियान के तहत प्राक्कलित आधारभूत संरचना एवं सुविधा उपलब्ध नहीं है ;

(2) यदि उपर्युक्त प्रश्न का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो सरकार वर्णित विद्यालयों में सर्व-शिक्षा अभियान के तहत देय सुविधा कबतक उपलब्ध कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

छात्रावास का निर्माण

*180. श्रीमती रेणु गौता--क्या मंत्री, पिछड़ा एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि सीतामढ़ी जिलान्तर्गत बाजपट्टी प्रखंड में पिछड़ा एवं अति पिछड़ा वर्ग के छात्रों के पठन-पाठन हेतु आवासीय छात्रावास नहीं है, यदि हाँ, तो सरकार उक्त प्रखंड में कबतक आवासीय छात्रावास निर्माण कराना चाहती है, नहीं, तो क्यों ?

स्थापित करना

*181. श्री राजकिशोर सिंह--क्या मंत्री, शिक्षा (उ०शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि वैशाली जिलान्तर्गत वैशाली विधान-सभा क्षेत्र में अभीतक एक भी सरकारी या गैर-सरकारी डिग्री कॉलेज नहीं है, जिसके कारण इस विधान-सभा क्षेत्र के छात्र/छात्रा को पठन-पाठन हेतु 20 किलो मीटर दूर हाजीपुर जाना पड़ता है, यदि हाँ, तो सरकार वैशाली विधान-सभा क्षेत्र में कबतक डिग्री कॉलेज स्थापित करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

महाविद्यालय खोलना

*182. श्री मुन्द्रिका सिंह यादव—क्या मंत्री, विज्ञान एवं प्रावैधिकी विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि जहानाबाद जिला में कोई अभियंत्रण महाविद्यालय नहीं है जिससे स्थानीय छात्रों को अन्यत्र जाकर पढ़ाई करना पड़ रहा है; यदि हाँ, तो सरकार जहानाबाद में कबतक अभियंत्रण महाविद्यालय खोलने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

कार्रवाई करना

*183. श्री प्रमोद कुमार —स्थानीय हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र में प्रकाशित शीर्षक ''प्रदेश में 87 हजार शिक्षक हर दिन मारते हैं बंक, ए०एन० सिन्हा संस्थान के सर्वे में खुलासा'' के आलोक में क्या मंत्री, शिक्षा (प्रा० शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि राज्य के 3 लाख 95 हजार 8 सौ 86 नियोजित एवं पुराने वेतनमान शिक्षकों में से प्रतिदिन 75 से 87 हजार शिक्षक बिना सूचना के विद्यालय से गायब रहते हैं;

(2) यदि उपर्युक्त खण्ड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो ऐसे गैर जिम्मेवार शिक्षकों पर सरकार अबतक कौन सी कार्रवाई की है या करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पूर्ण कराना

*184. श्री राजकिशोर सिंह—क्या मंत्री, शिक्षा (मा० शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि वैशाली जिलान्तर्गत गरौल प्रखण्ड के राजकीयकृत राजगुरु उच्च विद्यालय प्रेमराज में अवस्थित है, जिसमें 2,651 छात्र-छात्राओं का तीन कमरा में पठन-पाठन कार्य होता है एवं 6 कमरा दो वर्षों से अर्द्धनिर्मित है, जिसके कारण उक्त उच्च विद्यालय के छात्र एवं छात्राओं को पठन-पाठन करने में कठिनाई होती है; यदि हाँ, तो सरकार उक्त अर्द्धनिर्मित कमरों का निर्माण कबतक पूर्ण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

प्रतिनियुक्ति का विचार

*185. श्री (मो०) नेमतुल्लाह—क्या मंत्री, समाज कल्याण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि गोपालगंज जिला के मांझा और बरौली प्रखण्ड में सी०डी०पी०ओ० की प्रतिनियुक्ति नहीं होने के कारण आँगनबाड़ी केन्द्रों के संचालन में कठिनाई होती है, यदि हाँ, तो सरकार उक्त प्रखण्डों में सी०डी०पी०ओ० की प्रतिनियुक्ति का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

खोलने का विचार

*186. श्री दिनेश चन्द्र यादव—क्या मंत्री, विज्ञान एवं प्रावैधिकी विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि सरकार ने राज्य के सभी जिले में एक इंजीनियरिंग कॉलेज खोलने का निर्णय लिया है;

(2) क्या यह बात सही है कि कोसी प्रमण्डल के सहरसा मुख्यालय में इंजीनियरिंग कॉलेज नहीं रहने से इस क्षेत्र के छात्रों को पढ़ाई के लिये बाहर जाना पड़ता है, जबकि सहरसा पॉलिटेकनिक कॉलेज में बीस एकड़ जमीन उपलब्ध है;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार सहरसा में इंजीनियरिंग कॉलेज खोलने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

भवन निर्माण कराना

*187. डॉ० अशोक कुमार—क्या मंत्री, शिक्षा (मा० शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि समस्तीपुर जिला अन्तर्गत रोसड़ा शहर के वार्ड नं० 14 में बालिका उच्च विद्यालय अवस्थित है, जहाँ छात्राओं की संख्या काफी अधिक है;

(2) क्या यह बात सही है कि भवन के अभाव में छात्राओं के पठन-पाठन का कार्य बाधित होता है तथा जमीन पर बैठकर पढ़ाई करने को बाध्य होना पड़ता है;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार इस विद्यालय में आवश्यकतानुसार भवन निर्माण कराने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

परिचालन कराना

*188. श्री कृष्ण कुमार ऋषि—क्या मंत्री, परिवहन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि पूर्णियाँ जिलान्तर्गत बनमनखी अनुमंडल में बनमनखी सरकारी बस स्टैण्ड एन०एच० 107 रोड पर विगत 25 वर्षों से चल रहा है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त सरकारी बस स्टैण्ड को एन०एच० 107 से हटाते हुये सरकारी बस स्टैण्ड का निर्माण कर कबतक बस का परिचालन कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

उचित मानदेय देना

*189. श्री अख्तरुल इस्लाम शाहीन—क्या मंत्री, शिक्षा (मा०शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि

(1) क्या यह बात सही है कि राज्य के माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में रात्रि प्रहरी को मात्र 1500 (एक हजार पाँच सौ रुपये) मासिक मानदेय पर रखा गया है, जो मनरेगा के दैनिक मजदूरों को देय मजदूरी के अनुरूप नहीं है;

(2) क्या यह बात सही है कि कम मानदेय के कारण उन्हें भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार माध्यमिक व उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में नियोजित रात्रि प्रहरी को उचित मानदेय देने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

शुरू कराना

*190. श्री दिनेश चन्द्र यादव—क्या मंत्री, शिक्षा (मा० शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि सहरसा जिला अन्तर्गत सिमरी बख्तियारपुर प्रखण्ड के अपग्रेड उच्च विद्यालय, बलवाहाट में बालिका छात्रावास निर्माण की स्वीकृति की सूचना राज्य परियोजना निदेशक के पत्रांक 1163, दिनांक 27 अक्टूबर, 2014 द्वारा महाप्रबंधक (प्रा०/का०), बिहार राज्य शैक्षणिक आधारभूत संरचना विकास निगम लि०, पटना को दी गयी, किन्तु अबतक उक्त छात्रावास का निर्माण कार्य शुरू नहीं किया गया है, यदि हाँ, तो सरकार उक्त छात्रावास का निर्माण कबतक शुरू कराकर पूरा कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

स्थापना करना

*191. डॉ० विनोद प्रसाद यादव—क्या मंत्री, शिक्षा (मा० शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि गया जिला के शेरघाटी अनुमण्डल में बी०एड० कॉलेज नहीं है जिसके कारण गरीब छात्र-छात्राओं को बी०एड० की पढ़ाई से वंचित रहना पड़ता है, यदि हाँ, तो सरकार शेरघाटी अनुमण्डल मुख्यालय में कबतक बी०एड० कॉलेज की स्थापना का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

कार्रवाई करना

*192. श्री सत्यदेव सिंह—क्या मंत्री, शिक्षा (प्रा० शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि

(1) क्या यह बात सही है कि अरवल जिला अन्तर्गत विभिन्न-प्रखंड क्षेत्र कुर्था में मुखिया के द्वारा 500 प्राईमरी शिक्षकों की नियुक्ति वर्ष 2014-15 में हुई है, जिसमें अधिकांश शिक्षक फर्जी हैं जो विभिन्न प्राईमरी विद्यालयों में कार्यरत हैं;

(2) यदि उपर्युक्त खण्ड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार उक्त नियुक्ति की जाँच कराकर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

उपलब्ध कराना

*193. श्री समीर कुमार महासेठ—क्या मंत्री, शिक्षा (प्रा० शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि मधुबनी जिलान्तर्गत बाबूबरही प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय, महापटी, प्राथमिक विद्यालय, सुर्रे तपटोली, प्राथमिक विद्यालय, कल्याणपुर एवं चकौरी स्कूल में मीड-डे-मिल बंद है;

(2) यदि उपर्युक्त खण्ड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो सरकार उक्त प्रखंड के विद्यालयों में स्वास्थ्यकर मध्याह्न भोजन योजना उपलब्ध कराने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

खोलने का विचार

*194. श्री अनिरुद्ध सिंह--क्या मंत्री, शिक्षा (मा0 शि0) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि रोहतास जिलान्तर्गत करगहर प्रखण्ड के ओरसन पंचायत में एक भी बालिका उच्च विद्यालय नहीं है, जिससे बालिकाओं को उच्च शिक्षा प्राप्त करने में काफी कठिनाई होती है, जबकि वहाँ पर 3.53 (तीन एकड़ तिरपन डिसमिल) सरकारी भूमि उपलब्ध है, यदि हाँ, तो सरकार ग्राम ओरसन में कबतक बालिका उच्च विद्यालय खोलने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

संस्कृति केन्द्र बनाना

*195. श्री वीरेन्द्र कुमार सिंह--क्या मंत्री, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि

(1) क्या यह बात सही है कि औरंगाबाद जिलान्तर्गत नबीनगर प्रखण्ड में कला एवं संस्कृति केन्द्र नहीं है;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त प्रखण्ड में कला एवं संस्कृति केन्द्र नहीं होने से क्षेत्र के युवाओं को कला एवं संस्कृति संबंधी ज्ञान प्राप्त करने हेतु दूर जाना पड़ता है, फलस्वरूप आर्थिक दृष्टि से कमजोर वर्ग इसका लाभ नहीं उठा पाते हैं;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त जिला के नबीनगर प्रखण्ड में कला एवं संस्कृति केन्द्र बनवाने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

संरक्षित रखना

*196. श्री जिवेश कुमार--स्थानीय दैनिक समाचार-पत्र के दिनांक 3 दिसम्बर, 2015 के अंक में प्रकाशित शीर्षक ''57 हजार पांडुलिपियों की सुरक्षा खतरे में'' को ध्यान में रखते हुए क्या मंत्री, शिक्षा (प्रा0 शि0) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि दरभंगा में मिथिला की सांस्कृतिक धरोहर के रूप में कामेश्वर सिंह दरभंगा सेन्ट्रल लाइब्रेरी, मिथिला शोध संस्थान, लक्ष्मीश्वर पब्लिक लाईब्रेरी तथा चन्द्रधारी संग्रहालय में क्रमशः 5000, 12000, 200 तथा 40,000 महत्वपूर्ण पांडुलिपियाँ जो 500 से 800 साल पुरानी है, बिल्कुल जीर्ण-शीर्ण अवस्था में है;

(2) क्या यह बात सही है कि दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय में नवम्बर, 2004 में अतिप्राचीन और दुर्लभ 12 पांडुलिपियाँ तथा मार्च, 2003 में मिथिला शोध संस्थान से 24 पांडुलिपियों की चोरी हो गई थी जो आजतक रिकवर नहीं की जा सकी;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार खंड (1) में वर्णित पांडुलिपियों को संरक्षित रखने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

हाई स्कूल खोलना

*197. श्री मुजाहिद आलम--क्या मंत्री, शिक्षा (मा0 शि0) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि किशनगंज जिलान्तर्गत कोचाधामन प्रखंड के पंचायत कैरी बीरपुर, मजकुरी, सुन्दरबाड़ी, बलिया, भगाल, सोंथे, कुट्टी, बगलबाड़ी, पुआलदह, तेपरिया में कोई उच्च विद्यालय नहीं रहने से मेधावी छात्रों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने में कठिनाई होती है, यदि हाँ, तो सरकार उक्त पंचायतों में हाई स्कूल खोलने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

बाल गृह खोलना

*198. श्री अरुण कुमार सिन्हा : क्या मंत्री, समाज कल्याण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि किशोर न्याय अधिनियम, 2000 एवं संशोधित अधिनियम, 2006 की धारा के अन्तर्गत देख-रेख एवं संरक्षण के जरूरतमंद बच्चों के संरक्षण, विकास एवं पुनर्वास हेतु राज्य के सभी जिलों में एक-एक बाल गृह 2014 ई० तक खोलने का निर्णय राज्य सरकार द्वारा लिया गया था;

(2) क्या यह बात सही है कि खंड (1) में लिये गये निर्णय के आलोक में राज्य में अबतक कुल 17 बालगृह खोले जा सके हैं, जिनमें से सारण, मुंगेर तथा पूर्णियाँ के बाल गृह को छः माह पूर्व बंद कर दिया गया है;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार सारण, मुंगेर तथा पूर्णियाँ में बंद पड़े बाल गृह को खोलने के साथ-साथ शेष अन्य बाल गृह खोलने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

स्थापित करना

*199. श्री अवधबिहारी चौधरी--क्या मंत्री, शिक्षा (मा०शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि

(1) क्या यह बात सही है कि वर्ष 2013-14 में सरकार द्वारा माध्यमिक शिक्षा के सार्वभौमीकरण का निर्णय लिया गया है;

(2) क्या यह बात सही है कि अररिया जिलान्तर्गत रानीगंज प्रखंड का बगुलाहा पंचायत अबतक माध्यमिक विद्यालय विहीन है, जिसके कारण उक्त पंचायत के विद्यार्थियों को पठन-पाठन में काफी कठिनाई हो रही है;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार बगुलाहा में माध्यमिक विद्यालय स्थापित करने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

कार्रवाई करना

*200. श्री जनार्दन मांझी : क्या मंत्री, परिवहन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि बांका जिलान्तर्गत अमरपुर विधान-सभा के अमरपुर रोड से करीबन 3000 ट्रक, जिसमें 1000 बालू से भरे ट्रक ओभर लोड होकर चलती है, यदि हाँ, तो सरकार बालू से लदे ओभर लोडेड ट्रक की चेकिंग करवाने एवं दोषी पर कार्रवाई कबतक करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

उत्क्रमित करना

*201. श्रीमती सुनीता सिंह चौहान--क्या मंत्री, शिक्षा (माध्यमिक) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे--

(1) क्या यह बात सही है कि शिवहर जिलान्तर्गत तरियानी प्रखण्ड के मध्य विद्यालय हुम्मा में 1000 छात्र-छात्राएँ पठन-पाठन करते हैं तथा उक्त विद्यालय का अपना भवन नहीं लेकिन दो एकड़ भूमि है;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त मध्य विद्यालय को 8 कि०मी० के दायरे में कोई उच्च विद्यालय नहीं है एवं यह मध्य विद्यालय उच्च विद्यालय में उत्क्रमण हेतु सभी अर्हताएं पूरी करता है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त मध्य विद्यालय को उच्च विद्यालय में उत्क्रमित करने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

परिचालन करना

*202. श्री (डॉ०) शकील अहमद खाँ--क्या मंत्री, परिवहन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि कटिहार जिलान्तर्गत कदवा प्रखण्ड में सरकारी बस स्टैण्ड नहीं रहने के कारण निजी बसों से आवागमन करना पड़ता है, यदि हाँ, तो सरकार कदवा प्रखण्ड में सरकारी बस स्टैण्ड निर्माण कर बस का परिचालन कबतक कराना चाहती है, नहीं, तो क्यों ?

डिग्री कॉलेज खोलना

*203. सुश्री पूनम पासवान--क्या मंत्री, शिक्षा (उ०शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि कटिहार जिला के फलका तथा कोढ़ा प्रखंड में एक भी डिग्री कॉलेज नहीं है जिसके कारण यहाँ के विद्यार्थियों को स्नातक की पढ़ाई के लिए जिला मुख्यालय जाना पड़ता है, यदि हाँ, तो क्या सरकार इन प्रखण्डों में डिग्री कॉलेज खोलने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

डिग्री कॉलेज खोलना

*204. श्रीमती कुन्ती देवी--क्या मंत्री, शिक्षा (उ०शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि राज्य के सभी अनुमण्डलों में डिग्री कॉलेज खोलने हेतु सरकार ने नीतिगत फैसला लिया है;

(2) क्या यह बात सही है कि गया जिलान्तर्गत नीमचक बथानी, अनुमंडल में एक भी डिग्री कॉलेज नहीं है;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार नीमचक बथानी अनुमंडल में डिग्री कॉलेज खोलने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

शिक्षकों की बहाली

*205. श्री मिथिलेश तिवारी--क्या मंत्री, शिक्षा (माध्यमिक) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि राज्य में पिछले दो वर्षों में 2157 मध्य विद्यालय को माध्यमिक (+2) स्कूलों में उत्क्रमित कर दिया गया है;

(2) क्या यह बात सही है कि इनमें से 1291 विद्यालयों में नौवीं कक्षा की पढ़ाई भी शुरू हो गई जबकि इनमें हाई स्कूल और +2 शिक्षकों की बहाली नहीं की गई जिससे उन विद्यालयों में शिक्षकों के अभाव में नामांकित बच्चों का शैक्षणिक भविष्य अधर में है;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उत्क्रमित विद्यालयों में विषयवार शिक्षकों की बहाली करना चाहती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

लाभ देना

*306. श्री अचमित ऋषिदेव : क्या मंत्री, शिक्षा (मा० शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि

(1) क्या यह बात सही है कि माध्यमिक शिक्षा प्राप्त कर रही अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं गरीबी रेखा के नीचे जीवन बसर कर रहे परिवार से आनेवाली अष्टम वर्ग उत्तीर्ण 16 वर्ष से कम उम्र की नवम वर्ग में नामांकित छात्रा को राष्ट्रीय प्रोत्साहन योजना (एनएसआईजीएसई) के तहत वर्ष 2008-09 से छात्रा के खाते में 3,000 (तीन हजार) रुपया जमा किये जाने का प्रावधान है;

(2) क्या यह बात सही है कि अररिया जिलान्तर्गत रानीगंज एवं भरगामा प्रखंड की छात्राओं को उक्त प्रोत्साहन योजना का लाभ नहीं मिल रहा है;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार रानीगंज एवं भरगामा प्रखंड के छात्राओं को राष्ट्रीय प्रोत्साहन योजना (एनएसआईजीएसई) का लाभ देने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

घोषित करना

*307. श्री प्रहलाद यादव : क्या मंत्री, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि

(1) क्या यह बात सही है कि लखीसराय जिला के किउल रेलवे स्टेशन के पास रवगीर में माँ दुर्गा का भव्य मंदिर है, जहाँ प्रत्येक वर्ष इस मंदिर के पास जिले के लोग किउल महोत्सव मनाते हैं;

(2) क्या यह बात सही है कि सरकार के बिना सहयोग के इस आयोजन को करने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार किउल महोत्सव को राजकीय महोत्सव घोषित करने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

अधिग्रहण करना

*308. श्री अख्तरूल इस्लाम शाहीन : क्या मंत्री, शिक्षा (प्रा०शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि

(1) क्या यह बात सही है कि शिक्षा विभाग ने अपनी वार्षिक कार्य योजना 2015-16 में भूमिहीन विद्यालयों के लिये जमीन अधिग्रहण हेतु रु० 2000.00 लाख उद्व्यय हेतु प्रस्तावित किया है;

(2) क्या यह बात सही है कि इस योजना मद की राशि से समस्तीपुर जिला सहित राज्य के किसी भी जिला के भूमिहीन विद्यालय के लिये भूमि अधिगृहित नहीं किया गया है;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार भूमिहीन विद्यालयों के लिये भूमि अधिग्रहण करना चाहती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

पूर्ण कराना

*309. श्री अभय कुमार सिन्हा : क्या मंत्री, शिक्षा (प्रा० शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि

(1) क्या यह बात सही है कि सर्व शिक्षा अभियान के तहत पूरे राज्य में प्राथमिक एवं मध्य विद्यालय

... भवन निर्माण हेतु राशि विभाग को दिया गया था, परंतु पुराने दर पर प्राक्कलन रहने के कारण एवं विभाग की जिम्मेवारी वाले [illegible] में भवन निर्माण का कार्य अधूरा रह गया है;

(2) क्या यह बात सही है कि गया जिला के टिकारी प्रखंड अन्तर्गत मध्य विद्यालय, साहबगंजपुर, [illegible] प्राथमिक विद्यालय, अलालपुर तथा पांचालपुर कोंच प्रखंड अन्तर्गत मध्य विद्यालय, मोहनपुर, कामर और विश्वनाथपुर, प्राथमिक विद्यालय, चिरैयां, पाला बिगहा तथा खबासपुर का निर्माण कार्य अपूर्ण है;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त वर्णित विद्यालयों के निर्माण कार्य को पूर्ण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

उपलब्ध कराना

*210. श्रीमती लेसी सिंह : क्या मंत्री, शिक्षा (मा० शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि पूर्णियाँ जिला के धमदाहा प्रखण्ड अन्तर्गत संस्कृत हाई स्कूल, कुआँड़ी में छात्रों की संख्या के अनुपात में भवन नहीं होने के कारण शिक्षण कार्य में बाधा उत्पन्न हो रही है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त विद्यालय में भवन निर्माण सहित अन्य उपस्कर उपलब्ध कराने का विचार रखती है ?

पदस्थापित करना

*211. श्री (डॉ०) शकील अहमद खाँ—क्या मंत्री, विज्ञान एवं प्रावैधिकी विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि कटिहार जिला के कटिहार पॉलिटेक्निक कॉलेज में शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मियों के 33 पद स्वीकृत हैं जिसमें से मात्र 6 शिक्षक तथा शिक्षकेतर कर्मी कार्यरत हैं, यदि हाँ, तो सरकार कबतक उक्त पॉलिटेक्निक कॉलेज में रिक्त पदों पर शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मियों को पदस्थापित करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

स्टेडियम का निर्माण

*212. श्री विजय कुमार विजय : क्या मंत्री, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि मुंगेर प्रमंडलीय मुख्यालय में 28 फरवरी, 1994 को तत्कालीन मुख्यमंत्री द्वारा स्टेडियम का निर्माण हेतु शिलान्यास किया गया था, परन्तु आजतक निर्माण कार्य अधूरा है, यदि हाँ, तो सरकार अर्द्धनिर्मित आउटडोर स्टेडियम का निर्माण कबतक पूरा कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

निर्माण कराना

*213. श्री (मो०) आफाक आलम : क्या मंत्री, शिक्षा (मा० शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि पूर्णियाँ जिलान्तर्गत कसबा उच्च विद्यालय में चहारदीवारी नहीं है जिसके कारण विद्यालय के पश्चिम दिशा में जमीन का अतिक्रमण हो रहा है, यदि हाँ, तो सरकार उक्त विद्यालय का चहारदीवारी का निर्माण कबतक कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पढ़ाई प्रारंभ करना

*214. डॉ० विनोद प्रसाद यादव-- क्या मंत्री, शिक्षा (उ० शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह सही है कि गया जिला अन्तर्गत शेरघाटी अनुमंडल मुख्यालय में श्री महंथ शतानंद गिरि कॉलेज अवस्थित है जिसमें स्नातकोत्तर की पढ़ाई नहीं होती है जिसके कारण छात्र-छात्राओं को स्नातकोत्तर की पढ़ाई में कठिनाई होती है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त कॉलेज में कबतक स्नातकोत्तर की पढ़ाई प्रारंभ करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

परिचालन कराना

*215. श्री रामनारायण मंडल-- क्या मंत्री, परिवहन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1)क्या यह सही है कि बाँका जिला मुख्यालय में भागलपुर रोड में विभाग का बस स्टैण्ड है जिसको काफी जमीन है;

(2) क्या यह बात सही है कि बस स्टैण्ड के इस सरकारी जमीन का रख-रखाव नहीं रहने एवं बसों के परिचालन नहीं होने के वजह से वहाँ गंदगी का अंबार लगा रहता है;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार इस बस स्टैण्ड से बसों का परिचालन कराने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

निर्माण करना

*216. श्री लालबाबू प्रसाद गुप्ता-- क्या मंत्री, शिक्षा (प्रा०शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि पूर्वी चम्पारण जिलान्तर्गत पताही प्रखंड के उच्च विद्यालय, बखरी एवं उच्च विद्यालय, खोड़ानेकला में चहारदीवारी नहीं है जिसके कारण विद्यालय का मैदान चारागाह बना हुआ है और जानवरों के कारण पठन-पाठन बाधित है, यदि हाँ, तो सरकार कबतक उक्त दोनों विद्यालयों में चहारदीवारी का निर्माण करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों?

व्यवस्था करना

*217. श्री विजय कुमार मंडल-- क्या मंत्री, शिक्षा (प्रा० शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि राज्य में प्राथमिक शिक्षक की नियोजन नियमावली, 2013 में प्राथमिक शिक्षकों के स्थानान्तरण की सुविधा नहीं है, यदि हाँ, तो सरकार कबतक उक्त नियमावली में संशोधन कर शिक्षकों के स्थानान्तरण की व्यवस्था करने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

वितरित करना

*२१८. श्री रत्नेश सादा— क्या मंत्री, शिक्षा (माध्यमिक) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि सहरसा जिलान्तर्गत सोनवर्षा प्रखंड के सहसौल उच्च विद्यालय, सहसौल में वित्तीय वर्ष २०१४-१५ में प्रधानाध्यापिका एवं अन्य लिपिकों के द्वारा पोशाक राशि, साइकिल योजना की राशि एवं छात्रवृत्ति की योजना की राशि को बाँटने में अनियमितता बरती गई है, यदि हाँ, तो सरकार दोषी प्रधानाध्यापिका के क्रियाकलापों की जाँच कराते हुये उक्त योजना की राशि छात्राओं के बीच वितरित करवाने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

निर्माण कराना

*२१९. श्री जनार्दन माँझी— क्या मंत्री, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि बाँका जिलान्तर्गत अमरपुर एवं शम्भूगंज प्रखंड में आजतक कला, संस्कृति विभाग द्वारा एक भी खेल मैदान नहीं बनाया गया है;

(2) क्या यह बात सही है कि अमरपुर विधान-सभा के शम्भूगंज उच्च विद्यालय के मैदान में कला, संस्कृति विभाग द्वारा स्टेडियम बनाने से मेधावी छात्रों को अपनी प्रतिभा का कौशल दिखाने का मौका मिलेगा;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार शम्भूगंज उच्च विद्यालय के मैदान में स्टेडियम का निर्माण कराने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

पुनर्निर्माण कराना

*२२०. श्री श्यामदेव प्रसाद— क्या मंत्री, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि सीवान जिले के नगर परिषद् में स्थित इनडोर स्टेडियम के भवन को भवन निर्माण विभाग के अभियंताओं ने अयोग्य करार करते हुये पुनः निर्मित करने की बात कही है, यदि हाँ, तो सरकार उक्त इनडोर स्टेडियम के भवन का पुनर्निर्माण अविलंब कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

बुद्धिस्ट सर्किट से जोड़ना

*२२१. श्री मुन्द्रिका सिंह यादव— क्या मंत्री, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि जहानाबाद जिला के शकुराबाद थाना के ग्रा०पं०, नारायणपुर के ग्राम-भेलावर में भगवान बुद्ध की दो आदमकद की 6 फीट की दुर्लभ मूर्तियाँ रखी हैं तथा बहुत सारे अवशेष बिखरे हैं, यदि हाँ, तो सरकार भेलावर ग्राम को कबतक बुद्धिस्ट सर्किट से जोड़ना चाहती है, यदि हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

निर्माण कराना

*222. श्री तारकिशोर प्रसाद—दैनिक समाचार-पत्र में दिनांक 17 जनवरी, 2016 को प्रकाशित शीर्षक ''250 से अधिक स्कूल भवनविहीन'' के आलोक में क्या मंत्री, शिक्षा (प्राथमिक) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि कटिहार जिला में विभागीय उदासीनता के कारण वित्तीय वर्ष 2011-12 तक भवन निर्माण के लिये विद्यालयों को आवंटित 4.27 करोड़ रुपये खर्च नहीं हो पाया है जबकि कटिहार जिले के 250 विद्यालय भवनविहीन हैं ;

(2) यदि उपर्युक्त खंड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार उक्त राशि से भवनविहीन विद्यालयों के भवन का निर्माण कराने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

शिक्षकों की बहाली

*223. श्री सचीन्द्र प्रसाद सिंह—क्या मंत्री, शिक्षा (माध्यमिक) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि पूर्वी चम्पारण जिला के कल्याणपुर प्रखंड अन्तर्गत श्री सार्वजनिक उच्च विद्यालय, बाकरपुर में नवीं एवं दसवीं कक्षा के लिये मात्र 11 शिक्षकों के पद स्वीकृत हैं, जबकि विद्यालय में 2,300 विद्यार्थी हैं ;

(2) क्या यह बात सही है कि 60 बच्चों पर एक शिक्षक का पद स्वीकृत है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार कबतक उक्त विद्यालय में छात्रों की संख्या के मुताबिक शिक्षकों की बहाली करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

निर्माण कराना

*224. श्री अशोक कुमार सिंह—क्या मंत्री, शिक्षा (प्राथमिक) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि मुजफ्फरपुर जिलान्तर्गत सरैया प्रखंड के बुनियादी विद्यालय, जगन्नाथपुर, पोखरा में एक हजार छात्र/छात्राएँ मात्र तीन भवन में पठन-पाठन करते हैं ;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त भवन जर्जर है एवं अतिरिक्त भवन की अति आवश्यकता है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त विद्यालय के भवन का जीर्णोद्धार एवं अतिरिक्त भवन का निर्माण कराने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

कॉलेज की स्थापना

*225. श्री अमित कुमार—क्या मंत्री, शिक्षा (उ०शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि सीतामढ़ी जिलान्तर्गत सुप्पी प्रखंड में एक भी महिला डिग्री कॉलेज नहीं होने से उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्राओं को 20 कि०मी० दूर पढ़ने जाना पड़ता है ;

(2) यदि उपर्युक्त खंड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार छात्राओं के हित में सुप्पी प्रखंड में महिला डिग्री कॉलेज की स्थापना कराने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

कार्रवाई करना

*226. श्री (मो०) नेमतुल्लाह—क्या मंत्री, पर्यावरण एवं वन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि गोपालगंज जिले में जंगली जानवर यथा नीलगाय, सुअर एवं बानरों द्वारा जान-माल का नुकसान के साथ-साथ फसलों की क्षति भी की जा रही है ;

(2) क्या यह बात सही है कि इस जिले में नीलगाय को वन्यजीव संरक्षण अधिनियम की अनुसूची तीन से हटाकर 5 में किये जाने से इसको मारने पर से प्रतिबंध खत्म हो गया है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार इस जिला में सुअर एवं बानरों को भी मारने पर से प्रतिबंध हटवाने हेतु वांछित कार्रवाई करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

कार्रवाई करना

*227. मो0 नवाज आलम--क्या मंत्री, शिक्षा (प्रा0शि0) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि भागलपुर जिलान्तर्गत मदरसा महमूदिया, सिमरिया, थाना - कजरैली में फाजिल की पढ़ाई करने हेतु मात्र बीस छात्र ही नियमित हैं, परन्तु फार्म भरने के समय चार सौ फार्म भरवा दिया जाता है ;

(2) क्या यह बात सही है कि विगत पाँच वर्षों से चल रहे मध्याह्न भोजन योजना को भी उक्त वर्णित विद्यालय में वर्ष 2015 से प्राचार्य द्वारा बन्द कर दिया गया है ;

(3) क्या यह बात सही है कि मदरसा महमूदिया, सिमरिया के प्राचार्य ने विभाग से आवंटित साइकिल योजना की राशि में से एक भी साइकिल छात्रों को वितरित नहीं किया और अभिलेख में वितरित दिखा दिया है ;

(4) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार उक्त मदरसा में हो रही अनियमितता की जाँच कराने एवं दोषी पर कार्रवाई करने का विचार कबतक रखती है, नहीं, तो क्यों ?

जमीन मुहैया कराना

*228. डॉ0 संजीव चौरसिया--क्या मंत्री, शिक्षा (मा0शि0) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि सेन्ट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंड्री एजुकेशन (सी0बी0एस0ई0) ने पटना में रीजनल ऑफिस के लिये राज्य सरकार से कई वर्षों से जमीन की माँग कर रही है ;

(2) क्या यह बात सही है कि वर्तमान में सी0बी0एस0ई0, पटना का रीजनल ऑफिस किराये में चल रहा है, साथ ही पटना में जमीन उपलब्ध नहीं होने के कारण अब इसे झारखंड में शिफ्ट करने की बात हो रही है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार सी0बी0एस0ई0 को रीजनल ऑफिस के लिये जमीन मुहैया कराने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

विश्वविद्यालय खोलना

*229. श्री विजय कुमार खेमका--क्या मंत्री, शिक्षा (उ0शि0) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि पूर्णियाँ प्रमंडल के छात्र-छात्राओं को विश्वविद्यालय के कार्य से 90 (नब्बे) किलो मीटर की दूरी तयकर बी0एन0 मंडल विश्वविद्यालय, मधेपुरा जाना पड़ता है, जबकि विश्वविद्यालय खोलने के लिये पूर्णियाँ कॉलेज, पूर्णियाँ उपयुक्त स्थान है, क्योंकि इस कॉलेज के पास स्टेडियम, ऑडिटोरियम सहित 118 एकड़ 78 डीसमिल जमीन है तथा यहाँ सभी संकायों यथा कला, विज्ञान एवं वाणिज्य में स्नातकोत्तर तक की पढ़ाई होती है ;

(2) यदि उपर्युक्त खंड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो सरकार पूर्णियाँ में विश्वविद्यालय खोलने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

स्वीकृति प्रदान करना

*230. श्री अमित कुमार--क्या मंत्री, शिक्षा (प्रा०शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि राज्य के मान्यता प्राप्त विद्यालय के छात्रों को सरकारी विद्यालय के छात्रों की तरह पोशाक एवं छात्रवृत्ति योजना का लाभ नहीं मिलता है ;

(2) यदि उपर्युक्त खंड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार छात्रहित में मान्यता प्राप्त विद्यालय के छात्रों को भी पोशाक एवं छात्रवृत्ति वितरण की स्वीकृति प्रदान करने का विचार रखती है, यदि हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

निर्माण कराना

*231. श्री विनोद कुमार सिंह--क्या मंत्री, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि कटिहार जिला के प्राणपुर प्रखण्ड मुख्यालय के मैदान में प्रत्येक वर्ष राज्य स्तरीय क्रिकेट, फुटबॉल तथा वॉलीबॉल खेल प्रतियोगिता का आयोजन होते आ रहा है, जिसमें बिहार, पश्चिम बंगाल तथा झारखण्ड की टीम भाग लेती है ;

(2) यदि उपर्युक्त खंड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार उक्त मैदान में स्टेडियम का निर्माण कराने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

नामांकन कराना

*232. श्री विनोद कुमार सिंह--क्या मंत्री, शिक्षा (मा०शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि कटिहार जिला के मनसाही प्रखंड अन्तर्गत उत्क्रमित उच्च विद्यालय रामपतरा सिधिया, बड़ी बघना में अभीतक वर्ग नवम् में छात्र-छात्राओं का नामांकन नहीं लिया जा रहा है, जबकि उक्त विद्यालय को उत्क्रमित हुये 2 वर्ष हो गये हैं ;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त उत्क्रमित उच्च विद्यालय के भवन का निर्माण नहीं कराया गया है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार उक्त विद्यालय का भवन निर्माण सहित नवम् एवं दशम् वर्ग में छात्र-छात्राओं का नामांकन कबतक कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

खर्च करना

*233. श्री मिथिलेश तिवारी--क्या मंत्री, समाज कल्याण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि प्रदेश में समेकित बाल विकास योजनान्तर्गत आँगनबाड़ी सेविकाओं के 5768 एवं सहायिकाओं के 6063 पद रिक्त हैं जिस कारण पोषाहार योजना एवं अन्य बाल विकास योजनाओं का कार्यान्वयन सुचारू रूप से नहीं हो पा रहा है, यदि हाँ, तो सरकार उक्त वर्णित रिक्त पदों पर बहाली करने एवं पोषाहार की राशि कबतक खर्च करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

भूमि अधिग्रहण करना

*234. श्री (डॉ०) सो० जावेद--क्या मंत्री, शिक्षा (मा०शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि किशनगंज जिला के किशनगंज प्रखंड में टेढ़सा उच्च विद्यालय में 129 लाख की लागत से भवन का निर्माण किया जा रहा है ;

(2) क्या यह बात सही है कि भवन निर्माण कार्य में लोकल बालू, दो नंबर ईंट, कम अनुपात में सिमेंट का उपयोग किया जा रहा है जिसको अनदेखी भवन निर्माण कार्य में लगे विभाग एवं एजेंसी द्वारा की जा रही है ;

(3) यदि उपर्युक्त प्रश्नों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार भूमिहीन विद्यालयों के लिये भूमि अधिग्रहण कराना चाहती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

सुविधा उपलब्ध कराना

*235. श्री सच्चीन्द्र प्रसाद सिंह--क्या मंत्री, परिवहन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि पूर्वी चम्पारण जिले का कल्याणपुर प्रखण्ड मुख्यालय सुदूर ग्रामीण इलाके में अवस्थित है तथा वहाँ से अनुमंडल मुख्यालय की दूरी लगभग 20 कि०मी०, जिला मुख्यालय की दूरी लगभग 35 कि०मी०, कमीश्नरी की दूरी लगभग 85 कि०मी० तथा राज्य मुख्यालय की दूरी लगभग 150 कि०मी० है ;

(2) क्या यह बात सही है कि परिवहन विभाग द्वारा किसी भी प्रकार की यातायात की सुविधा उक्त मार्ग में उपलब्ध नहीं कराने से आम लोगों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है ;

(3) यदि उपर्युक्त प्रश्नों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार परिवहन विभाग द्वारा सरकारी गाड़ी की व्यवस्था कर आम लोगों को सुविधा उपलब्ध कराने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

उत्क्रमित करना

*236. श्रीमती लेशी सिंह--क्या मंत्री, शिक्षा (मा०शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि पूर्णियाँ जिला अन्तर्गत के० नगर प्रखण्ड के पोठिया रामपुर पंचायत में वर्ष 2013-14 में मध्य विद्यालय प्रसारपुर बेलवारी को उत्क्रमित कर हाई स्कूल की स्वीकृति दी गई थी ;

(2) क्या यह बात सही है कि है कि पोठिया रामपुर पंचायत के पूर्वी छोर पर अवस्थित इस विद्यालय तक नहीं रहने के कारण पंचायत की पचासवें फीसदी आबादी उच्च शिक्षा के लाभ से वंचित रह गये है ;

(3) क्या यह बात सही है कि पोठिया रामपुर पंचायत के ही म०वि०, इटहवा का उत्क्रमण का प्रस्ताव विभाग को भेजे जाने के बावजूद म०वि०, प्रसारपुर, बेलवारी को उत्क्रमित कर दिया गया है ;

(4) यदि उपर्युक्त प्रश्नों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार म०वि०, इटहवा, को हाई स्कूल में उत्क्रमित करने का विचार रखती है ?

पूर्ण कराना

*237. श्री राजीव नन्दन--क्या मंत्री, अनु० जाति एवं जन-जाति कल्याण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि गया जिला के गुरुआ प्रखंड के रघुनाथ बाघ पंचायत के ग्राम-अरसी कला में 2008 में आवासीय विद्यालय बनाने का कार्य प्रारंभ किया गया था जो वर्ष 2016 के जनवरी, तक पूरा नहीं हो सका है तथा उक्त विद्यालय किराये के मकान में चलाया जा रहा है, यदि हाँ, तो सरकार उक्त अर्द्धनिर्मित आवासीय स्कूल भवन का निर्माण कबतक पूर्ण कराने का विचार रखती है ?

कॉलेज खोलना

*238. श्री जितेश कुमार--स्थानीय हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र के दिनांक 21 दिसम्बर, 2015 के अंक में प्रकाशित शीर्षक "10 अनुमंडलों में कॉलेज खोलने की अनुमति" के आलोक में क्या मंत्री, शिक्षा (उच्च शिक्षा) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि राज्य सरकार द्वारा कॉलेजविहीन अनुमंडलों में से 10 अनुमंडलों के एक-एक डिग्री कॉलेज खोलने का निर्णय 5 वर्ष पूर्व लिये जाने के बाद भी आजतक वे कॉलेज नहीं खोले जा सके हैं, यदि हाँ, तो इन कॉलेजों को अबतक नहीं खोले जाने का क्या औचित्य है ?

भुगतान करना

*239. श्रीमती भागीरथी देवी--क्या मंत्री, समाज कल्याण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि पश्चिमी चम्पारण जिलान्तर्गत रामनगर एवं गौनाहा प्रखंड के वृद्ध एवं विधवा महिलाओं को मिलनेवाली वृद्धा पेंशन/लक्ष्मीबाई पेंशन पिछले सितम्बर, 2006 से नहीं मिल रहा है, यदि हाँ, तो सरकार उक्त प्रखंड के महिलाओं को वृद्धा एवं लक्ष्मीबाई पेंशन का भुगतान कबतक कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

उत्क्रमित करना

*240. श्री धीरेन्द्र कुमार सिंह--क्या मंत्री, शिक्षा (माध्य शिक्षा) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि औरंगाबाद जिलान्तर्गत नबीनगर प्रखण्ड के ग्राम पंचायत, तोल में एक भी उच्च विद्यालय नहीं रहने के कारण छात्र-छात्राएँ उच्च शिक्षा प्राप्त करने से वंचित रह जाते हैं ;

(2) क्या यह बात सही है कि मध्य विद्यालय, तोल में 2 एकड़ 52 डीसमिल जमीन उपलब्ध है और उक्त विद्यालय उत्क्रमण हेतु सभी मानकों को पूरा करता है ;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार मध्य विद्यालय, तोल को उच्च विद्यालय में उत्क्रमित करने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

कॉलेज खोलना

*241. श्री धीरेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ रिंकू सिंह--क्या मंत्री, शिक्षा (उच्च शिक्षा) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि पश्चिम चम्पारण जिलान्तर्गत बाल्मीकिनगर विधान-सभा क्षेत्र में उच्च शिक्षा के लिये एक भी डिग्री कॉलेज नहीं है जिसके कारण क्षेत्र के छात्र एवं छात्राएँ उच्च शिक्षा के लिये 100 कि0 मी0 या उससे अधिक दूरी तय कर बेतिया या बिहार के बॉर्डर पार कर उत्तर प्रदेश के कॉलेजों में पठन-पाठन करने जाते हैं ;

(2) यदि उपर्युक्त खण्ड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार बाल्मीकिनगर विधान-सभा क्षेत्र में डिग्री कॉलेज खोलने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

विचार करना

*242. श्री ललन यादव--क्या मंत्री, खान एवं भूतत्व विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि लखीसराय जिला के पोखी कुण्डी, भुईका, कजरा पहाड़ का लीज (बंदोबस्ती) 1980 से 1990 तक के अवधि में दिया गया था ;

(2) क्या यह बात सही है कि पर्यावरण के दृष्टिकोण से पहाड़ का बंदोबस्ती बंद कर दिया गया है जिसके कारण हजारों लोग बेरोजगार हो गये, सरकारी राजस्व की क्षति हुई एवं पत्थर के अभाव के कारण विकास कार्य बाधित हुआ है ;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त पहाड़ का पुनः लीज (बंदोबस्ती) देने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

स्टेडियम निर्माण कराना

*243. डॉ० शमीम अहमद--क्या मंत्री, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि पूर्वी चम्पारण जिला के नरकटिया विधान-सभा क्षेत्र अन्तर्गत राजकीय उच्च विद्यालय, जोतपुर के मैदान में स्टेडियम निर्माण नहीं होने के कारण छात्रों को खेलने में असुविधा होती है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त स्थल पर कबतक स्टेडियम निर्माण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

डिग्री कॉलेज खोलना

*244. श्री मुजाहिद आलम--क्या मंत्री, शिक्षा (उ० शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि किशनगंज जिलान्तर्गत कोचाधामन विधान-सभा की आबादी लगभग पाँच लाख है तथा यहाँ एक भी डिग्री कॉलेज नहीं है जिससे यहाँ के छात्र/छात्राओं को काफी कठिनाई हो रही है ;

(2) यदि उपर्युक्त खण्ड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार कोचाधामन विधान-सभा क्षेत्र में डिग्री कॉलेज खोलने का विचार रखती है, यदि हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

पूर्ण कराना

*245. श्री वशिष्ठ सिंह--क्या मंत्री, शिक्षा (मा० शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि रोहतास जिलान्तर्गत कोचस प्रखण्ड में कबूतरा व्यास उच्च माध्यमिक +2 विद्यालय, रूपसिया एवं सोनाभतो उच्च माध्यमिक +2 विद्यालय का भवन राशि के अभाव में अधूरा पड़कर बंद है जिससे इंटरमीडिएट के छात्रों का पठन-पाठन कार्य बाधित है, यदि हाँ, तो सरकार उक्त विद्यालयों में +2 विद्यालय का भवन निर्माण कार्य कबतक पूर्ण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पूर्ण कराना

*246. श्री नारायण प्रसाद--दिनांक 14 नवम्बर, 2015 को हिन्दी दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित शीर्षक ''स्टेडियम निर्माण को लेकर ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन'' के संदर्भ में क्या मंत्री, कला संस्कृति एवं युवा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि पश्चिम चम्पारण जिलान्तर्गत नौतन प्रखंड के खेल मैदान, खड़हरा में पिछले छः साल से स्टेडियम का निर्माण हो रहा है, जो अबतक अर्द्धनिर्मित है तथा इस कारण खिलाड़ियों को खेल का आयोजन करने में परेशानी हो रही है ;

(2) यदि उपर्युक्त खंड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार उक्त अर्द्धनिर्मित स्टेडियम को पूर्ण कराने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

विचार करना

*247. श्री राम नारायण मंडल--क्या मंत्री, शिक्षा (मा०शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि बाँका जिला के बाराहाट प्रखंड के औरिया पंचायत तथा नारायणपुर पंचायत में कोई उच्च विद्यालय नहीं है ;

(2) क्या यह बात सही है कि औरिया में तथा नारायणपुर के दण्डाडीह ग्राम में उच्च विद्यालय निर्माण हेतु भूमि भी उपलब्ध है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार इन पंचायतों में उच्च विद्यालय खोलने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

कॉलेज खोलना

*248. श्री मेवा लाल चौधरी--क्या मंत्री, शिक्षा (उ०शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि मुंगेर जिला के तारापुर विधान-सभा क्षेत्र अन्तर्गत अभीतक बी०एड० कॉलेज

नहीं, है जिसके कारण बच्चों को मुंगेर या भागलपुर जाना पड़ता है, यदि हाँ, तो सरकार उक्त विधान-सभा क्षेत्र में बी०एड०कॉलेज कबतक खोलने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

शिक्षकों की प्रतिनियुक्ति

*249. श्री सीताराम यादव--क्या मंत्री, शिक्षा (मा०शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि मधुबनी जिला के बासोपट्टी प्रखंडान्तर्गत चानन गाँव स्थित उत्क्रमित उच्च विद्यालय, चानन 2 वर्ष पूर्व ही उत्क्रमित किया गया है, लेकिन पठन-पाठन कार्य हेतु मात्र दो शिक्षक ही प्रतिनियुक्त हैं, जिसके कारण छात्र-छात्राओं को पठन-पाठन का कार्य बाधित हो रहा है, यदि हाँ, तो सरकार कबतक, वर्णित उत्क्रमित विद्यालय में शिक्षकों को प्रतिनियुक्ति करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

स्थापना कराना

*250. श्री सैयद अबू दोजाना--क्या मंत्री, शिक्षा (उ०शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि सीतामढ़ी जिला के पुपरी एवं सुरसंड प्रखंड में एक भी सरकारी डिग्री कॉलेज नहीं है जिसके अभाव में अधिकांशतः छात्र-छात्रायें आगे की पढ़ाई से वंचित रह जाते हैं तथा 25 प्रति छात्र-छात्रायें ही सीतामढ़ी जिला, मुजफ्फरपुर या अन्य स्थानों पर अपनी पढ़ाई जारी रखते हैं ;

(2) यदि उपर्युक्त खंड (1) के उत्तर स्वीकारात्मक है, तो सरकार कबतक, उक्त प्रखंडों में सरकारी डिग्री कॉलेज की स्थापना कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

राजीव कुमार,
प्रभारी सचिव,
बिहार विधान-सभा ।

पटना:
दिनांक 1 मार्च, 2016 (ई०) ।

बि०स०मु० (एल०ए०), 171 डी०टी०पी०-500